इकनॉमिक टाइम्स कमोडिटीज़

महाराष्ट्र में गन्ने की पेराई एक महीना पहले होगी शुरू

Sep 16, 2015, 09.00 AM IST

[जयश्री भोंसले | पुणे]

जलाशयों में पानी की गंभीर कमी के चलते महाराष्ट्र के मराठवाड़ा इलाके में शुगर मिलें गन्ना पेराई का सीजन नवंबर के बजाय अक्टूबर में ही शुरू कर देना चाहती हैं। महाराष्ट्र और कर्नाटक में सूखा भी देश में शुगर सरप्लस को घटाने में मददगार साबित नहीं होगा, ऐसे में पेराई जल्द शुरू करने से पहले से ही ज्यादा चल रही सप्लाई में और इजाफा हो जाएगा।

महाराष्ट्र स्टेट फेडरेशन ऑफ को-ऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज के चेयरमैन विजय सिंह मोहिते पाटिल के मुताबिक, 'पूरे इलाके में पानी नहीं है। उजानी डैम में पानी नहीं है। अगर हम पेराई देरी से शुरू करेंगे तो गन्ना मुरझा जाएगा।' भीमा रिवर पर बना उजानी जलाशय सोलापुर जिले को पानी देता है, जो राज्य में गन्ने का सबसे ज्यादा बुआई वाला इलाका है।

पिछले कुछ वर्षों से देश के सबसे ज्यादा शुगर पैदा करने वाले इस राज्य में क्रशिंग सीजन की शुरुआत नवंबर से होती है। इसकी कई वजहें हैं, जिनमें गन्ने के दाम को लेकर होने वाला विरोध और प्रवासी मजदूरों की उपलब्धता जैसी चीजें शामिल हैं।

कुछ मिलें इस पक्ष में हैं कि पेराई सीजन जल्द शुरू किया जाए, लेकिन राज्य के को-ऑपरेशन डिपार्टमेंट, जो राज्य में शुगर इंडस्ट्री को कंट्रोल करता है, का मानना है कि पेराई सीजन 15 अक्टूबर से शुरू हो सकता है। शुगर कमिश्नरेट के एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया, 'अब कई हिस्सों में बारिश शुरू हुई है और बारिश के सितंबर अंत तक चलने की उम्मीद है। ऐसे में खेतों के सूखने तक गन्ने की कटाई मुमकिन नहीं है।'

को-ऑपरेशन डिपार्टमेंट टेक्निकल इनपुट देता है, जबकि शुगर मिलों की बात सुनने के बाद अंतिम फैसला चीफ मिनिस्टर के हाथ में होता है। चीफ मिनिस्टर के इस बारे में सितंबर में मीटिंग बुलाने की उम्मीद है।

अगर क्रशिंग सीजन जल्द शुरू होता है तो इससे नई शुगर की उपलब्धता के साथ कीमतों पर प्रेशर बनने की आशंका है। पेराई की जल्द शुरुआत करने से गन्ने से चीनी की रिकवरी पर भी बुरा असर पड़ता है। गन्ने से शुगर की बेस्ट रिकवरी के लिए सर्दियों के महीने ज्यादा बढ़िया माने जाते हैं।

महाराष्ट्र में शुगर का एक्स-मिल प्राइस 24 रुपये प्रति किलो है। एक्सपोर्टर्स सेंट्रल गवर्नमेंट की एक्सपोर्ट इनसेंटिव स्कीम पर स्पष्टता आने का इंतजार कर रहे हैं। पिछले साल केंद्र सरकार ने रॉ शुगर के एक्सपोर्ट पर 4,000 रुपये प्रति टिन की सब्सिडी दी थी। ED and F Man India के मैनेजिंग डायरेक्टर राहिल शेख के मुताबिक, 'इस वक्त हमें एक्सपोर्ट सब्सिडी पर स्पष्टता चाहिए। अगर सरकार सब्सिडी जारी रखती है तो मिलों को रॉ शुगर के लिए करीब 21 रुपये प्रति किलो से 22 रुपये प्रति किलो तक का एक्स-मिल प्राइस मिल सकता है। जो कि मौजूदा डोमेस्टिक प्राइस है।' मौजूदा शुगर सीजन में अब तक इंडिया ने 11 लाख टन शुगर का एक्सपोर्ट किया है, जिसमें रॉ और व्हाइट दोनों तरह की शुगर शामिल है।

डाउनलोड करें Hindi News ऐप और रहें हर खबर से अपडेट।

बिज़नस-इनवेस्टमेंट की खबरों के लिए ET हिंदी के FB पेज को like करें।

2

timesjobs.com/TATA-Hiring-Urgent

Your Home Festival
Incredible deals from M3M, Vatika . GodrejProperties. 19 Lacs Discount
proptiger.com/Biggest_Discount

Ads by Google